पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय, प्रयागराज के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

समझौता ज्ञापन के अंतर्गत दिनांक 16.12.2022 को पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्नातक, परास्नातक विद्यार्थियों तथा शोध छात्र–छात्राओं के शैक्षणिक भ्रमण में वानिकी से संबंधित जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम में केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने पर्यावरण में सुधार लाने हेतु वानिकी को बढ़ावा देने में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के अंतर्गत कार्यरत विभिन्न संस्थानो एवं केन्द्रो की महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया साथ ही उन्होने प्रकृति की सौन्दर्यता को बनाये रखने हेतु अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने पर बल दिया।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए अपने शोध कार्यों पर प्रकाश डाला, उन्होने वानिकी की विलुप्त होती वृक्ष प्रजातियों के अंतर्गत पीपल, बरगद, बड़हल, महुआ आदि के महत्वपूर्ण उपयोगों एवं उनके लाभों पर प्रकाश डालने के साथ ही प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने में जैव विविधता की भूमिका से भी अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी की उपयोगिता तथा लाभ पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होने कृषिवानिकी के अंतर्गत फसलों के साथ वृक्षारोपण हेतु विभिन्न वृक्ष प्रजातियों से अवगत भी कराया, जिनसे पर्यावरण सुधार तथा किसानों की आय में वृद्धि की जा सकती है।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा0 एस0 डी0 शुक्ला तथा रतन कुमार गुप्ता का विशेष सहयोग रहा। नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय से कार्यक्रम समन्वयक डा0 अनीता सिंह, शिक्षिका ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा विभिन्न संस्थानों एवं केन्द्रों के माध्यम से वानिकी के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों की सराहना की साथ ही वानिकी के क्षेत्र में अपने अनुभव भी साझा किये। डा0 अनीता सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षक गण यथा डा0 अरविन्द पाण्डेय, डा0 शुक्रत सिन्हा, डा0 अमिताभ दूबे, डा0 किरण गुप्ता तथा शशिकान्त दूबे के साथ 50 से अधिक विज्ञान संकाय के छात्र–छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की झलकियां

पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र परिसर में छात्रों को जानकारी देते वैज्ञानिक।

छात्रों को दी गई वानिकी की जानकारी

प्रयागराज, संवाददाता। नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र परिसर में शैक्षणिक भ्रमण के दौरान वानिकी से सम्बंधित जानकारी दी गई। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने विद्यार्थियों को प्रकृति में सुधार लाने के लिए वानिकी को बढ़ावा देने में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के अंर्तगत सक्रिय विभिन्न संस्थानों एवं केंद्रों की भूमिका की जानकारी दी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.अनीता तोमर ने छात्रों को शोध कार्यों की जानकारी दी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एसडी शुक्ला, डॉ. अनीता सिंह आदि मौजूदर हीं।

शैक्षणिक भ्रमण की दी जानकारियां

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० अनीता तोमर ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए अपने शोध कार्यों पर प्रकाश डाला

कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी व शिक्षकगण

प्रयागराज। शुक्रवार को पारि - पुर्नस्थापन वन अनुसन्धान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा समझौता ज्ञापन के अंतर्गत नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय, प्रयागराज के विद्यार्थियों के शैक्षणिक भ्रमण में वानिकी से सम्बंधित जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम में केन्द्र प्रमुख डॉ० संजय सिंह ने प्रकृति में सुधार लाने हेतु वानिकी को बढ़ावा देने में भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के अंतर्गत कार्यरत विभिन्न संस्थानों एवं केन्द्रो की महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० अनीता तोमर ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए अपने शोध कार्यों पर प्रकाश डाला, उन्होंने वानिकी की विलुप्त होती वृक्ष प्रजातियों के अंतर्गत पीपल, बरगद, बड़हल, महुआ आदि के महत्वपूर्ण उपयोगों एवं उनके लाभो पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी की उपयोगिता तथा लाभ पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रम के सफल आयोजन में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ० एस० डी० शुक्ला तथा रतन कुमार गुप्ता का विशेष सहयोग रहा। नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय से कार्यक्रम समन्वयक डॉ० अनीता सिंह, शिक्षिका के नेतृत्व में विभिन्न शिक्षक गण यथा डॉ० अरविन्द पाण्डेय, डॉ० शुक्रत सिन्हा, डॉ० अमिताभ दूबे, डॉ० किरण गुप्ता तथा शशिकांत दूबे के साथ 50 से अधिक विज्ञान संकाय के स्नातक, परास्नातक तथा शोध छात्र- छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

अमृत कलश टाइम्स

प्रयागराज शनिवार 17 दिसम्बर 2022

वानिकी की विलुप्त होती वृक्ष प्रजातियों के अंतर्गत पीपल, बरगद, बड़हल, महुआ- डॉ अनीता तोमर

प्रयागराज। पारि–पुर्नस्थापन वन अनुसन्धान केन्द्र प्रयागराज द्वारा समझौता ज्ञापन के अंतर्गत नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के शैक्षणिक भ्रमण में वानिकी से सम्बंधित जानकारी प्रदान की

गयी। कार्यक्रम में केन्द्र प्रमुख डॉ० संजय सिंह ने प्रकृति में सुधार लाने हेतु वानिकी को बढ़ावा देने में भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद देहरादून के अंतर्गत कार्यरत विभिन्न संस्थानों एवं केन्द्रो की महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० अनीता तोमर ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए अपने शोध कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वानिकी की विलुप्त होती वृक्ष प्रजातियों के अंतर्गत पीपल, बरगद, बड़हल, महुआ आदि के महत्वपूर्ण उपयोगों एवं उनके लाभो पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी की उपयोगिता तथा लाभ पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रम के सफल आयोजन में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ० एस० डी० शुक्ला तथा रतन कुमार गुप्ता का विशेष सहयोग रहा। नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय से कार्यक्रम समन्वयक डॉ० अनीता सिंह, शिक्षिका के नेतृत्व में विभिन्न शिक्षक गण यथा डॉ० अरविन्द पाण्डेय, डॉ० शुक्रत सिन्हा, डॉ० अमिताभ दूबे, डॉ० किरण गुप्ता तथा शशिकांत दूबे के साथ 50 से अधिक विज्ञान संकाय के स्नातक, परास्नातक तथा शोध छात्र– छात्राएं आदि उपस्थित रहे।